मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-21

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिये ताहि कोटी बैरी सम जद्यपि परम सनेही॥
तज्यो पिता प्रह्लाद विभीषण बंधु भरत महतारी
बलि गुरु तज्यो कंत ब्रज बनितनि भये मृद मंगलकारी॥

(ख) बसो मेरे नैनन में नंदलाल॥
मोहिनी मूरत सांवरी सूरत नैणां बने बिसाल।
अधर सुधारस मुरली राजति उर बैजंति माल।
क्षुद्र घंटिका कटि तट सोभित नूपुर सबद रसाल।
मीरा प्रभु संतन सुख दाई, भक्तबछल गोपाल॥

(ग) भज मन चरण कंवल अबिनासी॥
कहा भयो तीरथ ब्रत कीन्हें कहा लिए करवट कासी।
कहा भयो है भगवा पह्रयों घर तज भए संन्यासी
मीरां के प्रभु गिरधर नागर काटो जनम की फाँसी॥

(घ) अतर सुगंध मिलायके जी, घी भर दिवला वार
जाई जूही केतकी जी, चंपाकली सुधार
पलकां सूं करां पांवड़ा जी, अंचलां सूं मग झार।
गिरधर म्हारो परम सनेही, मीरां उनकी नार।

2. "कृष्णभक्ति मीरां के लिए साधन थी न कि साध्य।" प्रस्तुत कथन के आलोक में मीरां की भक्ति के बारे में अपना मत व्यक्त कीजिए। 10

3. भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए मीरां की भक्ति की विशेषताएँ बताइए। 10

4. मीरां की प्रेम-भावना के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए। 10

5. "मीरां का काव्य लोक-जीवन से प्रभावित है।" इस कथन की सप्रमाण पुष्टि कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=10

(क) गुजरात में भक्ति आंदोलन

(ख) मीरां की विरह-वेदना

(ग) सहजोबाई

(घ) मीरां की प्रासंगिकता